

भीड़ में साथ में चलते थे और अभी खो गए
इतने थे पास हम और अब अजनबी हो गए
भीड़ में साथ में थे और अब अजनबी हो गए...
हैं पता मुझे की तेरी कमी छोड़ जाएगी कुछ
ऐसी नमी ...

तु जाने बिना मेरे दिल का हाल टुकड़े-टुकड़े कर
चल पड़ी

अलग सा हैं ये इंजान इकलस हैं मन में वही हुई
ये सोच में मैं डूबा रहूँ... क्या बनते हैं? टूटते हैं
रिश्ते सभी ... याद आए तो मिल ही जाऊँगा
तुझको यहीं...

ना भी आए तो समझ जाऊँगा थी मुझमें ही
कुछ कमी...

बातें जो कहनी थी तुमसे वो कहे बिना सो गए.
इतने प्यार थे पास हम और अब **Ajnabee**
हो गए।